भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 916**
दिनांक 07.02.2025को उत्तर दिए जाने के लिए

**हेनले पासपोर्ट इंडेक्स, 2025**

916. **श्री प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डीः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने इस तथ्य पर ध्यान दिया है कि भारतीय पासपोर्ट हाल ही में जारी हेनले पासपोर्ट इंडेक्स, 2025 में 2024 में 50वें स्थान से 5स्थान फिसलकर 85वें स्थान पर और वर्ष 2006 के 71वें स्थान से नीचे आ गया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और सहायक कारक क्या हैं;
(ग) क्या निचली रैंकिंग के परिणामस्वरूप भारतीय यात्री केवल 57देशों में वीजा मुक्त यात्रा कर सकते हैं, जबकि सिंगापुर के वीजा धारकों के लिए 227 देशों में से 195देश वीजा मुक्त हैं; और
(घ) यदि हां, तो भारतीय पासपोर्ट की उक्त रैंकिंग को ऊपर उठाने के लिए क्या उपचारात्मक उपाय किए जाने की संभावना है?

**उत्तर**
**विदेश राज्य मंत्री**

**(श्री कीर्तवर्धन सिंह)**

(क से घ) कुछ ऐसे निजी संस्थान हैं, जो उनके द्वारा तय किए गए मापदंडों के आधार पर ऐसी रेटिंग प्रकाशित करते हैं। तथापि , पासपोर्ट के लिए वैश्विक स्तर पर कोई व्यापक रूप से स्वीकृत रैंकिंग प्रणाली नहीं है जिसे पासपोर्ट को रैंक करने के लिए स्वीकार्य मानदंडों की अनुपस्थिति में एक मानक के रूप में लिया जा सके। भारत सरकार लगातार ऐसे देशों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है जो दुनिया भर में यात्रा करने में आसानी के लिए भारतीयों को वीजा मुक्त यात्रा, वीजा-ऑन-अराइवल और ई-वीजा सुविधाएं प्रदान कर सकते हैं। आज की तारीख में, 26 देश वीजा-मुक्त प्रवेश प्रदान करते हैं, 40 देश वीजा-ऑन-अराइवल सुविधा प्रदान करते हैं और 58 देश भारतीय पासपोर्ट धारकों को ई-वीजा सुविधा प्रदान करते हैं, इसका विवरण इस मंत्रालय द्वारा समय-समय पर अपनी वेबसाइट पर अपडेट किया जाता है, जिसे निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है: https://www.mea.gov.in/VFFIN.htm

तथापि , वीजा जारी करने के संबंध में नीतियों का निर्माण संबंधित देश का संप्रभु मामला है और वीजा मुक्त प्रवेश/आगमन पर वीजा सुविधा प्रदान करने का मामला भी द्विपक्षीय संबंधों और पारस्परिकता के सिद्धांत सहित विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

*****